lQyrk dh dgkuh

lJh f"k[kk ckFke i=h Jh je"k pUn ckFke d firk ,d xj ljdkjh lLFkku e prFk J.kh depkjh d in ij dk;jr gA lJh f"k[kk i<kb e vklr Nk=k FkhA f"k[kk d ifjokj dh vkfFkd fLFkfr cgn [kjkc Fkh] mldk Hkkb Qrgx< "kgj d pkjkg ij iku dh ndku ¼ydMh dk [kk[kk½ yxkrk g vkj f"k[kk ,d ikboV ekUVljh Ldy e ek= 600@& #i; ekgokj d oru ij d{kk ,d ,o nk d cPpk dk i<krh FkhA

blh chp mudh ,d lgyh u lJh f"k[kk dk Hkkjrh; cky fodkl lLFkku }kjk xke Hkyuij fpjijk e dk"ky fodkl dk;Øe d vUrxr iLrkfor flykb&d<kb if"k{k.k d ckj e tkudkjh nhA f"k[kk u viuh lgyh d lkFk lLFkku d Qrgx< fLFkr dk;ky; e lid fd;k vkj if"k{k.k ikIr dju e viuh :fp tkfgj dhA lLFkku }kjk mudh #fp dk /;ku e j[kr g; mUg crk;k x;k fd mijkDr dk;Øe jk'Vh; df'k vkj xkeh.k fodkl cd ¼ukckM½ }kjk ik;kftr g rFkk bl dk;Øe d vUrxr 18 l 35 vk;ox dh ,lh efgykvk rFkk ;ofr;k dk if"k{k.k inku fd;k tkrk g tk if"k{k.k dk i;kx viu vkidk vkRefuHkj cuku@Lojktxkj LFkkfir dju e djuk pkgrh gkA

ग्रामीण महिलाएँ सीखेंगी सिलाई-कढ़ाई के हुनर

भारतीय बाल विकास संस्थान की ओर से महिलाओं का प्रशिक्षण शुरू

हिन्दुस्तान संवाद

फर्रुखाबाद

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) एवं भारतीय बाल विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए दो माह के सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

शमसाबाद विकास खंड के गांव अमलैया आशानंद में ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए दो माह का सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु किया गया। इस मौके पर महिलाओं को संबोधित करते हुए नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक एस.एस.चौहान ने कहा कि वर्तमान समय में परिवार तभी सुखमय हो सकता है, जब पति पत्नी दोनों आत्मनिर्भर हों। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा शहरी क्षेत्र की महिलाएं और युवतियां जिस प्रकार आत्म निर्भर हो रही हैं, उसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में भी जागरुकता आनी चाहिए। उन्होंने कही कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं स्वरोजगारपरक प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर होने का प्रयास करें। श्री चौहान स्थानीय महिलाओं में शिक्षा के प्रति जागरुकता और अधिकतर महिलाओं के स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त होने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अन्य ग्रामीण बहनों को भी वह शिक्षित बनाने में मदद करें। 30 ग्रामीण महिलाओं को सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण के लिए समिति द्वारा चयनित किया गया है। चयनित महिलाओं को दो माह तक सिलाई एवं कढ़ाई का प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा। भारतीय बाल विकास संस्थान के प्रबंधक आशीष मिश्र ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि छोटी मोटी जरुरतों के लिए महिलाओं को परिवार के पुरुषों पर आश्रित न रहना पड़े। श्री मिश्र ने कहा कि यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं में से प्रशिक्षण के उपरांत दस मेधावी प्रशिक्षणार्थियों का चयन कर उन्हें फैशन डिजायन प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। मुख्य प्रशिक्षिका सुश्री वर्षा ने कहा कि दो माह के समय में महिलाओं को पेटीकोट, ब्लाउज, सलवार सूट, पायजामा, स्कर्टटाप, पैटशर्ट आदि सीखने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हो जायेंगी और यदि वह चाहें घरेलू कपड़ों की सिलाई स्वंय करके धन और समय की बचत भी कर सकती हैं।

कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीण महिलाएं।

f"k[kk }kjk viuh #fp inf"kr dju ij mUg p;u lfefr d le{k fu/kkfjr fnukd dk mifLFkr gku gr dgk x;kA p;u lfefr d lnL;k }kjk mudh yxu dk n[kr g; mUg if"k{k.k gr p;fur dj fy;k x;kA f"k[kk }kjk yxu l flykb&d<kb dk if"k{k.k i.k fd;k x;kA lLFkku

}kjk vr e lHkh if"k{k.kkfFk;k d fy; dk"ky ijh{k.k dk vk;ktu fd;k x;kA ftle f"k[kk u lokRd'V in"ku fd;kA if"k{k.k d mijkUr mUgku viu ?kj ij gh ;ofr;k ,o efgykvk dk flykb&d<kb dk if"k{k.k inku djuk ikjEHk dj fn;kA bldh mudh vk; c<h lkFk gh ixfr dk ,d u;k jkLrk HkhA

f"k[kk dh yxu vkj egur dk n[kr g; lLFkku }kjk mUg vkfVfQf"k;y Toyjh efdx] ,o ifVx dk if"k{k.k Hkh inku djk;k x;kA viuh egur] yxu vkj vkRefo"okl d cy ij

f"k[kk u viuk Lo; dk okd"kuy Vfux lUVj LFkkfir dj okd"kuy Vuj d :Ik e viuh igpku rk dk;e dh gh lkFk gh nljh efgykvk d fy; ,d felky dk;e Hkh dk;e dhA

f"k[kk viuh lQyrk dh dgkuh c;ku djr le; Hkkjrh; cky fodkl lLFkku vkj ukckM dk "kfØ;k vnk djuk ugh Hkyrh] mudk dguk g ukckM d dk"ky fodkl dk;Øe d ek/;e l mUg ,d u;h jkg feyh gA

◆ ◆ ◆